जानें....

सम्पूर्ण अन्तवाहक फरिश्ता स्वरूप की ड्रेस पहन विचरण करें

जीवन में आने वाले पेपर को पार करने की युक्ति

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन,
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

गतांक से आगे...

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि अभी जैसे-जैसे अन्तिम समय की ओर आगे बढ़ रहे हैं तो नैचुरल है कि दो बातों का पेपर विशेष हमारे सामने आयेगा। ये हर ब्राह्मण को क्रॉस करना ही है। अब आगे पढ़ते हैं कि वो दो पेपर कौन से हैं...

एक आता है शरीर का, शारीरिक भोगना का। क्योंकि कई ऐसे कार्मिक अकाउंट हमने क्रिएट किए हैं इन कर्मेन्द्रियों से तो उसका हिसाब तो चुकाना पड़ेगा ही। और दूसरा अपने संस्कारों का। बाबा कहते हैं, जैसे-जैसे अन्तिम समय आता जायेगा तो माया भी फुल फोर्स से उभरेगी। हमारे ही कमज़ोरी के संस्कार जो हैं जिसको हमने मिटाया नहीं, दबा कर रखा है। ज्ञान की समझ से हमने उस संस्कार को दबा कर रखा है। तो जैसे-जैसे अन्तिम समय आयेगा वो संस्कार फुल फोर्स से बाहर आयेगा और हमें परेशान करेगा, हमारी स्थिति को हलचल में ला देगा। तो ये दो पेपर खुद से हैं।

तो देखो बाहर के जो विघ्न आयेंगे उनको निपटाना सहज है। ड्रामा कल्याणकारी है कहना सहज है, लेकिन खुद, खुद के पेपर बन जायें तो? उसको फेस करना बहुत मुश्किल होगा। बाहर के किसी भी आत्मा का संस्कार देख कर उसको योग दान दे सकेंगे, उसको शांति का दान दे सकेंगे या साक्षी होकर देखने से उस स्थिति, परिस्थिति को पार करना आसान हो जायेगा। उस समय ज्ञान को यूज़ करना सहज हो जायेगा। लेकिन जब खुद के अन्दर ये सब पेपर आयेंगे जो बाबा ने कहा है कि कभी-कभी बच्चे अलबेलेपन के कारण सोचते हैं छोटी-सी कमज़ोरी है ना, समय आने तक ठीक हो जायेगी, उसको ऐसे कहकर चला रहे हैं। लेकिन ये नहीं मालूम कि समय आने पर वो ठीक होने के बजाय फुल फोर्स के साथ बाहर आयेगी और वही हमारा पेपर बनेगी। तो इसीलिए बाबा कहते कि अपने आपको तो व्यक्ति अच्छे से जानते हैं कि मेरी कमज़ोरी कहां-कहां है तो अभी से उन कमज़ोरियों को मिटाने के लिए बाबा सकाश दे रहा है, रेडिएशन दे रहा है पॉवरफुल, वो ज्वाला स्वरूप स्थिति से वो बीज को जला रहे हैं बाबा। ताकि वो हमारे लिए पेपर बनकर हमारे सामने न आये। तो उस संस्कार रूपी बीज को जलाना है। उसके लिए विशेष क्या चाहिए? एक तो बेहद की वैराग्य वृत्ति चाहिए तभी तो हम अपने आप से संस्कार को अलग करके, उस संस्कार को ही बाबा से पॉवरफुल किरणें लेकर भस्म करें।

कभी-कभी बच्चे अलबेलेपन के कारण सोचते हैं छोटी-सी कमज़ोरी है ना, समय आने तक ठीक हो जायेगी, उसको ऐसे कहकर चला रहे हैं। लेकिन ये नहीं मालूम कि समय आने पर वो ठीक होने के बजाय फुल फोर्स के साथ बाहर आयेगी और वही हमारा पेपर बनेगी।

बाबा कहते हैं कि बच्चे जब तुम मेरी याद में बैठते हो आत्मा समझकर कई जन्मों का पाप कर्म दग्ध हो जाता है, भस्म हो जाता है। तो बाबा से वो सकाश प्राप्त करना माना बाबा तो किरणें दे रहा है लेकिन हमें उस किरणों के द्वारा उस पुराने संस्कार को भस्म करना है। तो ऐसी ज्वाला स्वरूप स्थिति हमारी हो जो उस पुराने संस्कार को दग्ध करे।

दूसरा जो कहा कि किसी बीमारी के रूप में पेपर आना है। क्योंकि उसमें भी हमारी सहनशक्ति बहुत अधिक होनी चाहिए। अगर सहन नहीं होगा तो क्या होगा? तड़पन का अनुभव करेंगे, वो बीमारी भी तड़पन का अनुभव करायेगी। पूरी अवस्था हमारी हिला देगी और उसी अवस्था में यदि हमारा शरीर छोड़ना हुआ तो किस पद को हम प्राप्त करेंगे? शहज़ादे के रूप में जायेंगे या प्रजा में जायेंगे? तो इसीलिए बाबा कहते कि कर्मेन्द्रिय में भी इतनी बाबा से सकाश लेकर भरना है ताकि वो कर्मेन्द्रिय में इतनी पॉवर आ जाये कि वो बीमारी हमें अन्दर से तकलीफ न पहुंचा सके, वो आये और अपना हिसाब चुक्तू करके समाप्त हो जाये। स्थिति ऐसी पॉवरफुल बनानी है कि शरीर का कर्मभोग आत्मा के योगबल को हिला न सके। इतना अन्दर में योगबल को जमा करना है। तो बाबा की सकाश से अन्दर आत्मा में बल जमा करते जायें, जो इन पेपरों को क्रॉस करना आसान हो जाये।

- क्रमशः

धडगांव-महा.। लोकसभा सांसद हिना गावित से मुलाकात कर ब्र.कु. सरिता बहन ने आदिवासी दुर्गम क्षेत्र में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा हो रही ईश्वरीय सेवाओं की जानकारी दी। साथ ही उन्हें स्थानीय सेवाकेन्द्र एवं मुख्यालय माउण्ट आबू आने का निमंत्रण भी दिया।

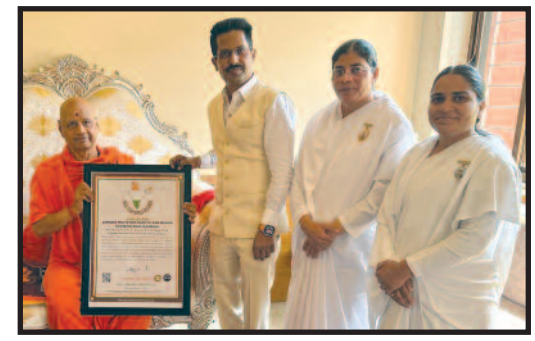

पुणे-महा.। आळंदी स्थित वेदश्री तपोवन आश्रम में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष परमपूज्य स्वामी गोविंद देव गिरीजी महाराज को उनके 75वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में बाणेर सेवाकेन्द्र संचालिका डॉ. ब्र.कु. त्रिवेणी बहन, ब्र.कु. आशा बहन एवं डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके ने बधाई एवं ईश्वरीय सौगात देकर संस्थान की गतिविधियों से अवगत कराया तथा अयोध्या में हुए श्री रामलला की प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव की सबसे बड़ी 50 फीट ऊँची बनी निमंत्रण पत्रिका की जानकारी देने के साथ ही इसके वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट भी उन्हें भेंट किया। साथ ही उन्हें ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू में आने का निमंत्रण भी दिया।

बिलासपुर-शुभम विहार(छ.ग.)। नवनिर्वाचित नगर विधायक अमर अग्रवाल को गुलदस्ता भेंट कर बधाई देते हुए ब्र.कु. सविता दीदी।

सेल्फ हेल्प

हम वास्तविकता में क्यों नहीं हैं?

मन हम सबका है। हमेशा है, साथ है लेकिन दुविधा में रहता है। जीना चाहता है लेकिन अपने दम पर नहीं दूसरे के बिहाफ पर, दूसरे के दम पर, दूसरे के कहने पर। चाहता है कि मैं वो करूं जो मैं चाहता हूँ लेकिन वो हमेशा उन बातों को अपनाता है जो दूसरे चाहते हैं। फिर भी असन्तुष्टि है। असन्तुष्टि का यही एकमात्र कारण है कि जीवन हमेशा बयानों से भरा हुआ है। एक है जो आप करना चाहते हैं दूसरा है दुनिया जो आपसे करवाना चाहते हैं। आपने सबके कहने पर वो कर तो लिया लेकिन क्या आप कभी सन्तुष्ट हुए? शायद नहीं हुए। क्यों नहीं हुए, क्योंकि जो आपकी अपनी विशेषता है, जो आपकी अपनी स्थिति है, जो आपके अपने गुण हैं वो आप सबके सामने नहीं रख पा रहे हैं। तो निर्णय क्यों नहीं होता, क्यों नहीं ले पाते! मात्र एक कारण है इसके पीछे, वो है अपने को तरजीह(प्रधानता) नहीं देना, अपने पर वो विश्वास नहीं दिखाना, अपने को प्राथमिकता न देना। जब हम अपने को प्राथमिकता नहीं देते तो लोगों को प्राथमिकता देते हैं। इसीलिए दुनिया में एक बहुत सुन्दर कहावत है कि जो अपने लिए नियम नहीं बनाता उसको दूसरों के नियमों पर चलना पड़ता है। तो मैं भी तो ये काम कर सकता हूँ ना! तो क्यों न उन बातों को अपने अन्दर डालूं, अपने लिए कुछ सोचूं, अपने लिए कुछ लिखूं, अपने लिए कुछ बनाऊं। और वो बनाया हुआ चीज़ ही मेरा होगा। उससे जीवन भी बदलेगा, जीवन सुधरेगा, जीवन में उन्नति होगी, जीवन में उन सारी चीज़ों की ज़रूरतें भी पूरी होंगी जो आप चाहते हैं। और सबसे बड़ी बात मन को सन्तुष्टि होगी। तो ये खुद से खुद को प्यार करने की एक पहल है। तो क्यों न इस पहल को अपनाते हैं और जीवन को एक नयी दिशा में लेकर चलते हैं।

रीवा-झिरिया(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में गणतंत्र दिवस के अवसर पर 'एक शाम देश के नाम' विषयक देशभक्ति के विशिष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ संयोजक सरदार गुरमीत सिंह मंगू, सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष सरदार प्रहलाद सिंह, प्राध्यापक कला संकाय डॉ. प्रवीर दुबे, समाजसेवी अविराज चौथवानी, स्ट्रीट फाइटर डांस ग्रुप के डायरेक्टर स्पर्श दुबे, डीसेंट डांस ग्रुप के संयोजक राजीव वर्मा, हिमालय डांस ग्रुप के संयोजक जावेद खान, मगुर हाई स्कूल के संचालक उमेश कुमार सेन, पप्पू कनौजिया ओबीसी के संभागीय अध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश तोमर, ब्रह्माकुमारीज़ रीवा के कला एवं संस्कृति प्रभाग की ज़ोनल कोऑर्डिनेटर भोपाल ज़ोन राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी, कला एवं संस्कृति प्रभाग के सदस्य ब्र.कु. प्रकाश द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में कलाकार व विशिष्ट नागरिक उपस्थित रहे।

मुम्बई-बोरीवली। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा टाटा मेमोरियल सेंटर में 'नर्सेस डे' एवं 'रिज्यूवनेटिंग मेडिकल माइंड्स' मेडिकल विंग की कॉन्फ्रेन्स के दौरान आयोजित दो दिवसीय 'माइंड स्पा' में सभी को मेडिटेशन करने के लिए ऑडियो, विज़ुअल, स्क्रॉल टेक्स्ट और लिरिकल/सॉन्ग के चार विकल्प दिये गये। जिसका टाटा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स, नर्सेस, सिक्योरिटी स्टाफ तथा अन्य ऑफिस स्टाफ ने लाभ लिया। कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी,जॉइंट एडमिनिस्ट्रेटिव हेड,ब्रह्माकुमारीज़, डॉ. अशोक मेहता,कैंसर सर्जन एंड प्रेसिडेंट,मेडिकल विंग कॉन्फ्रेन्स चेयरमैन, डॉ. श्रीपद बनावली,डायरेक्टर(एकाडेमिक),टाटा मेमोरियल सेंटर, डॉ. प्रशांत काकोड़े,ऑटोराइनोलैरिन्गॉलजी एंड इंटेग्रेटेड हेल्थ,इनर स्पेस कैम्ब्रिज,यूके सहित अन्य विशिष्ट लोग मौजूद रहे एवं कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे सबके लिए ज़रूरी बताया।

बिजावर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा भारतीय राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के मौके पर शासकीय अनु जाति सीनियर कन्या छात्रावास बिजावर में 'मेरी संस्कृति-मेरी पहचान, मेरा देश-मेरी शान' कार्यक्रम के दौरान छात्रावास की अधीक्षक माया बहन को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. प्रीति बहन। इस मौके पर ब्र.कु. रचना बहन, छात्रावास सहायक श्रीपाल कुशवाहा सहित अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

राजनांदगांव-छ.ग.। महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 'परीक्षा के भय से मुक्ति' विषय पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. प्रभा बहन। मंचासीन हैं विद्यालय के प्राचार्य चैतराम वर्मा, ब्र.कु. रंभा बहन, ब्र.कु. तरुणा बहन व अन्य।